अध्याय-५

सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव

अध्याय – 5
शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1.0 भूमिका

सारांश किसी भी अध्ययन को संक्षिप्त करने का प्रयास होता है जिसके द्वारा अध्याय को संक्षिप्त व सरल रूप में समझा जा सके। इस अध्याय में लघु शोध का सारांश एवं अध्याय चार में दिये गये प्रदत्तों के विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष को प्रस्तुत किया गया है। साथ ही अध्ययन के आगे संबंधित अध्ययन को विभिन्न क्षेत्रों में करने के लिये सुझाव भी देने का प्रयास किया गया है।

5.2.0 शोध कथन

भोपाल जिले के केन्द्रीय विद्यालय संगठन के कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य संबंध–एक अध्ययन।

5.3.0 शोध के उद्देश्य

प्रस्तुत शोध हेतु निम्नलिखित उद्देश्य बनाये गये है। जिससे शोध में प्रयुक्त चरों को प्रत्येक की औसत ज्ञात करके देखा। जिससे सभी चरों के मध्य संबंध एवं अंतर को ज्ञात किया जा सका है। जिससे विशेष जानकारी प्राप्त करने में सहायता मिली है।

1. केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करना।
2. केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करना।
3. केन्द्रीय विद्यालय के छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करना।
4. केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों का समायोजन ज्ञात करना।
5. केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों का समायोजन ज्ञात करना।
6. केन्द्रीय विद्यालय के छात्राओं का समायोजन ज्ञात करना।

7. केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य संबंध ज्ञात करना।
8. केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य संबंध ज्ञात करना।
9. केन्द्रीय विद्यालय के छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य संबंध ज्ञात करना।
10. केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं विषयवार शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंध ज्ञात करना।

5.4.0 शोध के चर

1. समायोजन
2. शैक्षिक उपलब्धि

अन्य चर

1.छात्र.

2छात्रा

5.5.0 शोध की परिकल्पना

प्रस्तुत शोध हेतु शून्य परिकल्पना का निर्माण किया गया है क्योंकि शोध में प्रयुक्त चर शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के संबंध में कोई सही दिशा प्राप्त न होने के कारण शोधार्थी ने अपने अनुभव एवं पूर्व ज्ञान के अनुसार शून्य परिकल्पना का निर्माण किया है जो निम्नलिखित है।

- केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।

- केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

- केन्द्रीय विद्यालय के छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।

- केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं अंग्रेजी विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई संबंध नहीं है।

- केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं हिन्दी विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई संबंध नहीं है।

- केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं गणित विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई संबंध नहीं है।

- केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई संबंध नहीं है।

- केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं सामाजिक विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई संबंध नहीं है।

- केन्द्रीय विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं के समायोजन के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

5.6.0 शोध में प्रयुक्त उपकरण

समायोजन हेतु मापनी अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों के समायोजन को ज्ञात करने के लिये शोधार्थी ने ए.के. सिंह एवं ए.से. गुप्ता द्वारा निर्मित (भ्।प्) हाई स्कूल एडजस्टमेन्ट इन्वेन्टरी को विद्यार्थियों के समायोजन हेतु चुना। क्योंकि यह टेस्ट स्टेण्डरड टेस्ट होने के साथ–साथ स्पेशल रूप से हाई स्कूल के विद्यार्थियों के लिये बनाया गया है। इस टेस्ट में विद्यार्थियों के 5 तरह के समायोजन का पता चलता है।

1. Home Adjustment : घरेलू समायोजन
2. Health Adjustment : स्वास्थ्य संबंधी समायोजन
3. Emotional Adjustment : संवेगात्मक समायोजन
4. Social Adjustment : सामाजिक समायोजन
5. School Adjustment : विद्यालय समायोजन

तालिका क्र. 1

समायोजन	कोड क्र.	नमूना क्रमांक
Home	A	1, 6, 11, 16.....
Health	B	2, 7, 12, 17.....
Social	C	3, 8, 13, 18.....
Emotional	D	4, 9, 14, 19....
School	E	5, 10, 15, 20...150

विस्तृत सूची में 150 नमूने रखे गये है। प्रत्येक आपाम में 30 प्रश्न दिये गये है जिनके उत्तर हॉ या नहीं में देने हैं। टेस्ट पेपर में समय निर्धारण 60 मिनट का दिया गया है।

5.7.0 शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी विधि

1. मध्यमान
2. प्रमाणिक विचलन
3. सहसंबंध गुणांक परीक्षण

5.8.0 शोध की सीमाएँ

शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले अनेक सामाजिक एवं मनौवैज्ञानिक कारक होते है परंतु इस शोध हेतु समायोजन के साथ शैक्षिक उपलब्धि को ज्ञात करने के लिए लिया गया है। अन्य कारक जो शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करते है उन्हे हमने इस शोध में शामिल नहीं किया है इसीलिए इस शोध की मुख्य सीमाओं का निर्धारण केवल निम्न आधार पर किया गया है।

1. प्रस्तुत शोध मध्यप्रदेश के भोपाल जिले के क्षेत्र में ही निहित है।
2. प्रस्तुत शोध में केवल केन्द्रीय विद्यालयों का चयन किया गया है।
3. प्रस्तुत शोध में केवल शहरी विद्यालयों का चयन किया गया है।
4. प्रस्तुत शोध कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों पर किया गया है।
5. प्रस्तुत शोध में विद्यार्थियों की आयु 16 से 18 वर्ष तक के बीच की है।
6. प्रस्तुत शोध में केवल अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों का चयन किया गया है।
7. प्रस्तुत शोध में कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजनको लिया गया है।

5.9.0 शोध निष्कर्ष : प्रस्तुत अध्ययन के निम्नलिखित निष्कर्ष हैं

1. केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों का समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।
2. केन्द्रीय विद्यालय के के छात्रों का समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।
3. केन्द्रीय विद्यालय की छात्राओं के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।
4. केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों का समायोजन एवं अंग्रेजी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।
5. केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं हिन्दी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।
6. केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं गणित विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।
7. केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं में विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध नहीं है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में कोई प्रभाव कोई नहीं पडेगा ।
8. केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं सामाजिक विज्ञान विषय मे शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।

5.10.0 भावी शोध हेतु सुझाव

1. केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों में समायोजन के अलावा शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले कारक अन्य कारको को देखना चाहिये.
2. केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों में समायोजन बढानें के लिये पाठ्य सहगामीं कि्यायें करवाना चाहिये.
3. विद्यार्थियों में समायोजनको बढानें के उपाये खेाजने चाहिये.
4. केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को बढानें के लिये सहगामी अधिगम को बढावा देना चाहिये.
5. शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले कारक जैसे बुद्धि, व्यक्तित्व, रुचि, कुण्ठा, वशानुक्रम, आत्म संप्रत्यय, संवेगात्मक बुद्धिमत्ता आदि कारको को देखना चाहिये.